Roll No. ..... Total Pages : 4

MDQ/M-21 **11531**

भारतीय साहित्य

Paper–IX

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। भाग (अ) व भाग (आ) में से **एक-एक** की व्याख्या अनिवार्य है।

भाग-अ

(क) जो हादसा हो चुका है, उसे दबा जाना, अपने तई रखना। आखिर तुम्हारी आबरू हमारी आबरू है। दाब तुम्हारा, तभी तो रौब हमारा। पेशवा के कोतवाल के बारे में कोई उल्टी-सीधी जड़ेगा, हमें अच्छा नहीं लगेगा। बात जाहिर न होगी, पेशीदा रखने की जिम्मेवारी हमारी होगी। फिर कोई नामाकूल अगर वक्ता है उल-जलूल तो चुप न रहना, सिर उड़ा के दम लेना। यह बात हम लोगों के बीच रहेगी, पेशवा तक बिल्कुल न पहुंचेगी - ये वादा ले जाओ।

(ख) पुण्यपतन-निवासी नागरिकों, हमारी महान नगरी पर छाया हुआ एक भयानक संकट आज टल चुका है। एक रोग मिट चुका है। आप सब लोगों को जिस नरकासुर ने लगातार परेशान किया, जीना दूभर कर दिया वो घासीराम कोतवाल, अब मर चुका है, वध हो चुका है। श्री गजराज की असीम अनुकम्पा से, दया से सब ठीक हुआ है। हम उनकी कृपा के हकदार हैं, वे बड़े दयालु हैं।

(ग) यों तो नाना कर चुके छै शादियाँ,

किस्मत बुरी फलती नहीं छै बीवियाँ

करना पड़ा है सातवाँ उनको बियाह

दिल नहीं भरता, करैं क्या, आह।

अब नयी परधाननी जो आएगी

दुधमुँही, सेवा नहीं कर पाएगी

दरकार हैं बस दर्जन दासियाँ

खुशनुमा, मजबूत माहिर दासियाँ

भाग-आ

(घ) भारत के संविधान में छूत-अछूत और जाति-भेद नहीं है। लेकिन ऊँची जाति के सिवा नीची जाति वालों को दिन के अन्त में आज भी अन्न, सिर पर पर्त्ते की छत नहीं मिलती। भारत का गरीब आदमी रिसर्च का विषय है। किस बात की रिसर्च। कितना कम खाकर, सरकार से कितना कम पाकर इंसान जीवित रह सकता है। आश्चर्यजनक देश है।

(ङ) चार पीढ़ियों में भी असल नहीं चुका, सूद भी नहीं। जो हो, जगतारण के बाप के जमाने से वे अगूँठा निशानी देकर लेबर देते थे। माने, जिन लोगों ने शुरू में लिया था, वे तो थे नहीं। उनके वंशज अंगूठा लगाते। जब तक मूल सहित सूद अदा न हो वे आकर बेगार देंगे।

(च) जिसे जो होना है वही होगा। प्रजातंत्रिक स्वतंत्रता किसी किसान के महाजन का शिकार होने का अधिकार नहीं छीन लेती। आज के खेतीहर से कल के खेतमजदूर बनने का अधिकार भी नहीं छीनती। भारतीय संविधान में अपनी हिम्मत से जो बनने का अधिकार अत्यंत सम्मानित है। इन सब दूसरों की जमीन जोतकर जीवित रहने वाले मनुष्यों को कोई सरकारी या शक्तिशाली संगठन की मदद नहीं मिलती।

(3×7=21)

2. किन्हीं **तीन** के उत्तर दें :

(क) चैतन्य पूर्व वैष्णव साहित्य का परिचय दीजिए।

(ख) चैतन्य वैष्णव युगीन बंगला साहित्य का परिचय दीजिए।

(ग) बंगला कहानी के उदय और विकास पर प्रकाश डालिए।

(घ) बंगला नाटक के उदय और विकास पर प्रकाश डालिए।

(ङ) फोर्ट विलियम कालेज के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालिए।

(च) बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए। (12×3=36)

3. किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी कीजिए। (प्रत्येक 250 शब्द)

(क) बंगला नाथ साहित्य।

(ख) राजाराम मोहन राय का परिचय।

(ग) चैतन्य का साहित्यिक महत्व।

(घ) विद्यापति का साहित्यिक योगदान।

(ङ) चंडीमंगल काव्य से क्या अभिप्राय।

(च) बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय का परिचय।

(छ) रमेशचन्द्र दत्त का परिचय।

(ज) मंगल काव्य से क्या अभिप्राय।

(झ) इस्लामी काव्य का परिचय।

(ञ) बंगला की आधुनिक कविता। (5×3=15)

4. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

(क) 'घासीराम कोतवाल' नाटक में घासीराम किस पद पर है?

(ख) 'घासीराम कोतवाल' नाटक में कुल कितने अंक हैं?

(ग) 'अग्नि गर्भ' उपन्यास का बंगला में प्रकाशन किस वर्ष में हुआ था?

(घ) काली साँतरा किस राजनीतिक पार्टी से जुड़ा है?

(ङ) 'घासीराम कोतवाल' नाटक में घासीराम का संबंध किस क्षेत्र से है?

(च) 'घासीराम कोतवाल' नाटक मराठी में कब प्रकाशित हुआ था?

(छ) 'अग्नि गर्भ' उपन्यास की **दो** नारी चरित्रों के नाम लिखो।

(ज) 'घासीराम कोतवाल' नाटक में पेशवा शासक का क्या नाम है? (1×8=8)